क्लाइंट को 2020 में उपलब्ध कराई गई सेवाएं

163,996
क्लाइंट को **जानकारी और परामर्श** दी

146,425
क्लाइंट को **परिवार नियोजन एवं सुरक्षित एबोर्शन सेवाएं** प्रदान की

2020 में हमारे प्रभाव

1,786,289
कपल इयर्स ऑफ प्रोटेक्शन

75,615
अनचाहे गर्भ रोके

27,036
असुरक्षित एबोर्शन रोके

56
मातृ मृत्य रोकीं

हमारे क्लाइंट एवं उनके अनुभव

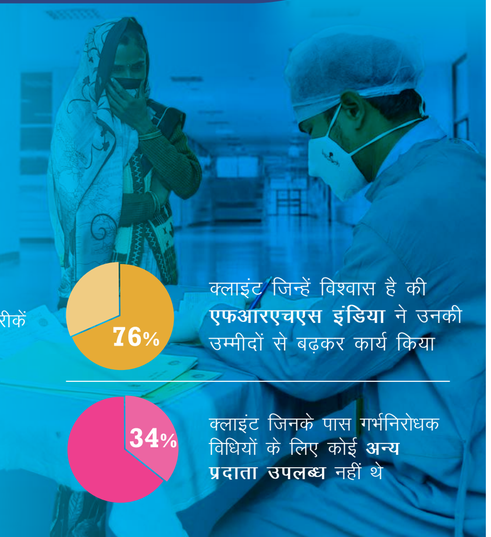

97% क्लाइंट अपने अनुभवों से **संतुष्ट** थे

46% क्लाइंट जिन्होंने कभी **परिवार नियोजन** के तरीकें अपनाए ही नहीं

32% क्लाइंट जो **अत्यधिक गरीबी** में जी रहे हैं

76% क्लाइंट जिन्हें विश्वास है की **एफआरएचएस इंडिया** ने उनकी उम्मीदों से बढ़कर कार्य किया

34% क्लाइंट जिनके पास गर्भनिरोधक विधियों के लिए कोई **अन्य प्रदाता उपलब्ध** नहीं थे

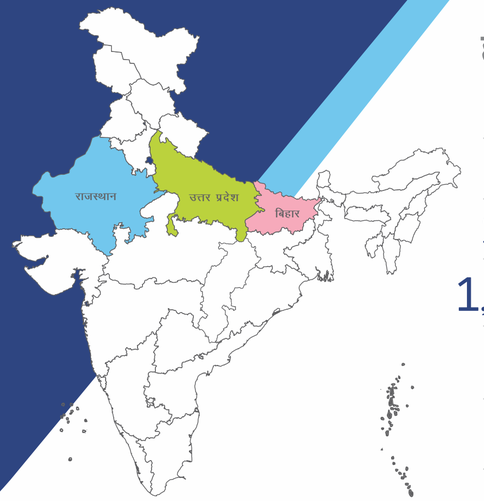

हमारी पहुंच

3 राज्य

78 जिले

360 टीम के सदस्य

1,261 सार्वजनिक क्षेत्र

35 क्लिनिकल आउटरीच टीमें

7 मिनी-क्लिनिकल आउटरीच टीमें

6 क्लिनिक्स

हमारा मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। हम ऐसे राज्यों और जिलों में कार्य करते हैं जहाँ परिवार नियोजन की अनमेट नीड एवं फर्टिलिटी रेट काफी अधिक है। वर्तमान में, हम बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 1,261 सार्वजनिक सुविधा केंद्रों के माध्यम से अपनी सेवाएं ऐसे क्षेत्रों में प्रदान कर रहे हैं जहाँ पहुंचना आसान नहीं होता।

उपलब्धियां और पुरस्कार

- 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' से सम्मानित
- जेनपेक्ट सोशल इनिशिएटिव सपोर्ट फॉर स्ट्रेन्थेनिंग एम एंड ई सिस्टम्स
- राजस्थान सरकार द्वारा लगातार तीसरी बार परिवार नियोजन में सर्वश्रेष्ठ एनजीओ घोषित किया गया
- राजस्थान के 6 जिलों में परिवार नियोजन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए पुरस्कृत
- क्लिनिकल स्टैंडर्ड्स में सर्वश्रेष्ठता के लिए एमएसआई गोल्ड एवॉर्ड से सम्मानित
- दस सर्वश्रेष्ठ एनजीओ जिनके साथ कार्य किया जाए की सूची में शामिल किया गया

हमें सहयोग दीजिये

हमारी सेवाएं महिला और पुरुष दोनों को उनकी इच्छा और ज़रूरत के अनुसार बच्चे पैदा करने के लिए सक्षम बनाती है एवं उनकी और उनके परिवार की जिन्दगी बेहतर बनाने के लिए सहायता प्रदान करती है। इसलिए एफआरएचएस इंडिया के साथ आप भी आइए एक ऐसी दुनिया बनाए जहाँ हर बच्चा मनचाहा हो और हर माँ स्वस्थ हो।

हमारे सहभागी बनें और हमें फेसबुक और लिंक्डइन पर फॉलो करें:

@FoundationforReproHealthServicesIndia
Foundation for Reproductive Health Services India

सहयोग करने के लिए, यहां क्लिक करें:
http://www.frhsi.org.in/donate/donate.php

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@frhsi.org.in
मुख्यालय: बी–37, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली – 110049 | **फोन:** +91 11 49840000
वेबसाइट: www.frhsi.org.in

FRHS INDIA
Children by choice, not chance

फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया)

एफआरएचएस इंडिया

फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया) एमएसआई रिप्रोडक्टिव च्वाइसेस (एक वैश्विक संस्था जो 37 देशों में व्यक्तिगत गर्भनिरोध एवं सुरक्षित एबोर्शन सेवाएं प्रदान कर रही है) की एक सहयोगी संस्था है। वर्ष 2009 से हम बिहार, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश में अपनी सेवाओं एवं सूचनाओं के माध्यम से महिलाओं एवं पुरुषों को उनके यौन एवं प्रजनन संबंधी अधिकारों एवं विकल्पों को अपनाने के लिए सक्षम बनाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

पिछले वर्ष 2020 में, कोरोना महामारी के कारण हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। 25 मार्च को भारत सरकार द्वारा घोषित अनिश्चितकालीन बंद (लॉकडाउन) की वजह से कई सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों को अपनी क्लिनिकल परिवार नियोजन सेवाएं रोकनी पड़ी। एनजीओ एवं निजी क्षेत्रों में परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराने वाले देश के प्रमुख प्रदाताओं में से एक होने की वजह से, हम जानते थे की सेवाओं की अनुपलब्धता का महिलाओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। अतः हमने नागरिक समाज संगठनों से मिलकर वकालत शुरू की जिसके परिणामस्वरूप, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेर (MoHFW) ने सुरक्षित एबोर्शन को देशबंदी के दौरान 'आवश्यक सेवा' की सूची में शामिल किया। इसके बाद शीघ्र ही, 7 अप्रैल से राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश में स्थित हमारे क्लिनिक्स को भी खोला गया एवं सरकार एवं एमएसआई के सभी निर्देशों एवं नियमों का पालन करते हुए आवश्यक एबोर्शन सेवाएं दुबारा से शुरू की गई। यही नहीं, **हमने अपने क्लाइंट की ज़रूरतों को समझते हुए अपनी सेवाओं की कीमत भी 50% कम कर दी।** 2020 हमारे लिए आशा, अनुकूलनशीलता एवं जीत से भरा वर्ष था जिसमें हमने हर चुनौती को पार कर लोगों तक अपनी सेवाएं पहुंचाने की भरपूर कोशिश की।

हमारा मिशन

बच्चे अपनी इच्छा से, मज़बूरी से नहीं

उच्च गुणवत्ता वाली किफायती यौन एवं प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं एवं सूचनाओं तक अधिकतम पहुंच बढ़ाकर हर एक व्यक्ति एवं परिवार को स्वस्थ विकल्प अपनाने की ओर प्रोत्साहित करना।

हमारे आदर्श

मिशन संचालित
हम पूरी निष्ठा के साथ महिलाओं और पुरुषों को बच्चे संयोगवश नहीं बल्कि अपनी इच्छा से होने में उन्हें सक्षम बनाते हैं।

क्लाइंट केंद्रित
हम अपना कार्य पूरी लगन से करते हैं एवं क्लाइंट को बेहतर से बेहतर सेवाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयास में हमेशा जुटे रहते हैं।

उत्तरदायी
हम अपने हर कार्य को पूरी जिम्मेदारी से निभाते हैं जो आगे चलकर हमारी स्थिरता और बढ़ते हुए प्रभावों को सुनिश्चित करती है।

साहसी
हम प्रतिभाशाली, उत्साही एवं निडर लोगों को हमारे साथ कार्य करने का मौका देते हैं, जो अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर मुश्किल निर्णय लेने और हमारे मिशन को पूरा करने में आने वाली चुनौतियों का सामना करने का साहस रखते हैं।

300
मीडिया लेख
प्रकाशित की गई

अनुमानित चढ़ाव

- अनचाहे गर्भ
- असुरक्षित एबोर्शन
- मातृ मृत्यु (मेटरनल डेथ)

'पॉलिसी ब्रिफ ऑन इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन फैमिली प्लानिंग' के द्वारा दिखायी गई

वेबिनारस, ट्वीटअथोन एवं पैनल डिस्कशन्स
कोविड–19 के परिवार नियोजन पर पड़े प्रभाव के बारे में चर्चा करने के लिए आयोजित किए गए

हमारे सर्विस डिलीवरी चैनल्स

क्लिनिकल आउटरीच टीम (COT)

COT प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारियों की टीम है जो सरकारी केंद्रों पर परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सलाह और सेवाएं (स्पेसिंग, लांग–एक्टींग रिवर्सिबल मेथड एवं स्थायी मेथड) प्रदान करती है।

मिनी–क्लिनिकल आउटरीच टीम (मिनी–कौट)

मिनी–कौट युवक एवं युवतियों को घर के आस–पास ही परिवार नियोजन संबंधी जानकारी, सलाह एवं सेवाएं (स्पेसिंग एवं लांग–एक्टींग रिवर्सिबल मेथड) प्रदान करती है।

पब्लिक सेक्टर सपोर्ट (पीएसएस)

पब्लिक सेक्टर सपोर्ट मॉडल के माध्यम से राजस्थान में निर्धारित स्वास्थ्य केंद्रों पर सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर क्लाइंट के लिए परिवार नियोजन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार कर रहे हैं।

फैमिली हेल्थ सेंटर्स / क्लिनिक्स

फैमिली हेल्थ सेंटर्स / क्लिनिक्स वन स्टॉप सेंटर के रूप में अजमेर, जयपुर, बांसवाड़ा, बरेली, गया एवं सहरसा में परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवा संबंधी सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराते हैं। साथ ही, सुरक्षित एबोर्शन की सेवाएं भी किफायती दरों पर उपलब्ध हैं।

वकालत

1. सुरक्षित एबोर्शन को 'आवश्यक सेवा' की सूची में शामिल कराने के लिए MoHFW से वकालत की गई
2. प्रगतिशील मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी (एमटीपी) संशोधन बिल के लिए सांसदों से वकालत की गई
3. बड़े नागरिक समाज संगठनों से एमटीपी एक्ट संशोधन बिल 2020 के विषय में चर्चा करने के लिए वर्चुअल मीटिंग्स की गई
4. 'मेडिकल एबोर्शन मेडिसिंस की उपलब्धता भारत के छः राज्यों के बाजारों में, 2020' नामक रिपोर्ट प्रकाशित की गई

परिणाम

देशबंदी के 10 दिनों के अंदर सुरक्षित एबोर्शन को 'आवश्यक सेवा' की सूची में शामिल किया गया

फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) के लिए 10 क्लाइंट / एफडीएस की अनुमति दी गई थी, जो अब 30 क्लाइंट / एफडीएस हो गई है

कोविड के समय में भी क्लाइंट का साथ देना

उत्तर प्रदेश की रहने वाली हमारी क्लाइंट, रीना (नाम बदल दिया) पहले से ही तीन बच्चों की माँ थी और अपनी गरीब सामाजिक आर्थिक अवस्था की वजह से समझ चुकी थी की वह एक ओर बच्चे का पालन–पोषण नहीं कर सकती। इसी दौरान उसे एफआरएचएस इंडिया की सेवाओं के बारे में अपनी बहन से पता चला जिसने हाल ही में एफआरएचएस इंडिया की बरेली में स्थित क्लिनिक से सेवाएं ली थी और काफी संतुष्ट थी। रीना ने जैसे ही एफआरएचएस इंडिया की सेवाओं के बारे में अपने पति से बात की, उन दोनों ने बरेली क्लिनिक पहुंच कर सुरक्षित एबोर्शन सेवा लेने का फैसला लिया। बरेली क्लिनिक पहुंचने के लिए वे अपने स्कूटर से ही 45 किमी के कठिन सफर के लिए निकल पड़े।

रास्ते में, हर कुछ किलोमीटर पर देशबंदी की निगरानी करने वाले पुलिस उन्हे रोकते और पुछताछ करते। रीना की हालत के बारे में जानने के बाद आखिरकार उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति मिली और इस प्रकार वे क्लिनिक पहुंचने और सुरक्षित एबोर्शन सेवा प्राप्त करने में सफल रहे।

- महामारी के समय रीना सुरक्षित एबोर्शन सेवा की तलाश में थी कि तभी उसे अपनी बहन के द्वारा एफआरएचएस इंडिया के बारे में पता चला।
- रीना ने अपने पति को भी यह जानकारी दी और दोनों ने मिलकर सबसे निकट स्थित क्लिनिक पहुंचने के लिए 45 किमी का कठिन सफर तय करने का फैसला लिया।
- रास्ते में, हर कुछ किलोमीटर पर देशबंदी की निगरानी करने वाले पुलिस उन्हे रोकते और पुछताछ करते।
- रीना की गंभीर अवस्था के बारे में बताने के बाद आखिरकार वे क्लिनिक पहुंचने और सुरक्षित एबोर्शन सेवा प्राप्त करने में सफल रहे।

> "एफआरएचएस इंडिया टीम के सदस्य पूरे सफर में हमारे साथ जुड़े रहे एवं जितनी बार पुलिस ने हमें रोका उतनी बार उन्होंने उनसे बात भी की, जिसकी वजह से हम आखिरकार क्लिनिक तक पहुंच सके। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे सेवाओं को चुनने का अधिकार मिला। दुर्भाग्यवश ऐसी कई महिलाएं हैं जिन्हे देशबंदी के दौरान ऐसे विकल्प चुनने का मौका नहीं मिला।"